चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Amar ujala **Date: 13-05-2023**

उपलब्धि

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर नए आयाम स्थापित करेंगीं

डॉ. निशा को मिला तीस लाख रुपये का रिसर्च प्रोजेक्ट

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की भौतिकी विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. निशा देउपा ने विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) दिल्ली की ओर से स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत तीस लाख रुपये का एक रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त किया है।

स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड की एक नई अभिनव योजना है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है।

इस प्रोजेक्ट से डॉ. निशा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर शोध जगत में कुछ नए आयाम स्थापित करेंगी।

सहायक प्राध्यापिका डॉ. निशा को बधाई देते कुलपति डॉ. रणपाल। संवाद

डॉ. निशा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट फॉस्फर द्वारा ऑप्टिकल सेंसिंग पर आधारित है। फॉस्फर ऐसे पदार्थ को कहा जाता है, जिसमें संदीप्ति का गुण हो, यानि विद्युत, तापमान, प्रकाश, इलेक्ट्रान या अन्य किसी तरह से उत्तेजित होने पर वह प्रकाश की किरणें छोड़े।

बहुत से फॉस्फर पदार्थ उत्तेजित होने पर कुछ समय के लिये प्रज्वलित रहते हैं। इसलिए उनका प्रयोग कैथोड किरण नलिका और प्रकाश उत्सर्जक डायोड जैसी उपयोगी चीजों में बहुत किया जाता है। डॉ. निशा ने बताया कि यह इस विश्वविद्यालय का पहला रिसर्च प्रोजेक्ट है।

यह इस विश्वविद्यालय के लिए बहुत खुशी की बात है। वह देश के बहुत ही अच्छे दर्जे के शोधकर्ताओं एवं वैज्ञानिकों के साथ मिलकर अपने इस शोध कार्य को देश के अव्वल दर्जे के शोध का कार्य बनाने का प्रयास करेंगे।

कुलपति डॉ. रणपाल सिंह एवं कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन, प्रो. एसके सिन्हा ने डॉ. निशा को बधाई देते हुए कहा कि यह गौरव का विषय है। इससे शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा और अन्य सभी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए यह एक प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik jagran **Date: 13-05-2023**

सीआरएसयू की प्राध्यापिका को मिला 30 लाख का रिसर्च प्रोजेक्ट

जागरण संवाददाता, जींद : चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की भौतिकी विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डा. निशा देउपा ने विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) दिल्ली की तरफ से राज्य विश्वविद्यालय अनुसंधान उत्कृष्टता योजना के अंतर्गत लगभग 30 लाख रुपये का एक रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त किया है। ये विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड व इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड की एक नई अभिनव योजना है। जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है।

डा. निशा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट फोस्फर द्वारा आप्टिकल सेंसिंग पर आधारित है। फोस्फर ऐसे पदार्थ को कहा जाता है, जिसमें संदीप्ति का गुण हो, यानि विद्युत, तापमान, प्रकाश, इलेक्ट्रान या अन्य किसी तरह से उत्तेजित होने पर वह प्रकाश की किरणें छोड़े। बहुत से फोस्फर पदार्थ उत्तेजित होने पर कुछ समय के लिए प्रज्वलित रहते हैं। इसलिए उनका प्रयोग कैथोड किरण नलिका और प्रकाश उत्सर्जक डायोड जैसी उपयोगी चीजों में बहुत किया जाता है। डा. निशा ने बताया कि यह इस विश्वविद्यालय का पहला रिसर्च प्रोजेक्ट है, गर्व की बात है। वह देश के अच्छे दर्जे के शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के साथ मिलकर अपने इस शोध कार्य को करेंगे। वीसी डा. रणपाल सिंह और रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन, प्रो. एसके सिन्हा ने डा. निशा को बधाई देते हुए कहा कि यह लिए एक गौरव का विषय है।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Hari Bhoomi **Date: 13-05-2023**

डॉ. निशा को मिला तीस लाख का रिसर्च प्रोजेक्ट

■ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर नए आयाम स्थापित करेगी डा. निशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआरएसयू की भौतिकी विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डा. निशा देउपा ने विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) दिल्ली द्वारा स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत तीस लाख रुपये का एक रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त किया है। स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड की एक नई अभिनव योजना है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है। इस प्रोजेक्ट से डॉ निशा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर शोध जगत में कुछ नए आयाम स्थापित करेंगी। डा. निशा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट फोस्फर द्वारा ऑप्टिकल सेंसिंग पर आधारित है। फोस्फर ऐसे पदार्थ को कहा जाता है जिसमें संदीप्ति का गुण हो, यानि विद्युत, तापमान, प्रकाश, इलेक्ट्रान या अन्य किसी तरह से उत्तेजित होने पर वह प्रकाश की किरणें छोड़े।

जींद। सीआरएसयू की सहायक प्राध्यापिका डा. निशा को बधाई देते वीसी डा. रणपाल।

शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा

कुलपति डा. रणपाल सिंह एवं कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन, प्रो. एसके सिन्हा ने डा. निशा को बधाई देते हुए कहा कि यह गौरव का विषय है। शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा और सभी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए यह एक प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: India Timer **Date: 13-05-2023**

मोदी सरकार ने सीआरएसयू की डॉ. निशा को दिया 30 लाख का रिसर्च प्रोजेक्ट

संजय शर्मा

जींद,(इंडिया टाइमर): केंद्र की मोदी सरकार ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद की भौतिकी विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. निशा देउपा को विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड दिल्ली द्वारा स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत लगभग तीस लाख रूपए का एक रिसर्च प्रोजेक्ट देने का काम किया है। इस बड़ी उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रणपाल सिंह और कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन, प्रो. एस. के. सिन्हा ने डॉ. निशा के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह पूरे विश्वविद्यालय और हरियाणा के लिए एक गौरव का विषय है। इससे शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा और अन्य सभी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए यह एक प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा। स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड की एक नई अभिनव योजना है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार की एक वैधानिक निकाय है। इस प्रोजेक्ट से डॉ. निशा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर शोध जगत में कुछ नए आयाम स्थापित करेंगी। इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए डॉ निशा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट फ़ोस्फ़र द्वारा ऑप्टिकल सेंसिंग पर आधारित है। फ़ोस्फ़र ऐसे पदार्थ को कहा जाता है जिसमें संदीप्ति का गुण हो, यानि विद्युत, तापमान, प्रकाश, इलेक्ट्रान या अन्य किसी तरह से उत्तेजित होने पर वह प्रकाश की किरणें छोड़े। बहुत से फ़ोस्फ़री पदार्थ उत्तेजित होने पर कुछ समय के लिये प्रज्वलित रहते हैं। इसलिए उनका प्रयोग कैथोड किरण नलिका और प्रकाश उत्सर्जक डायोड जैसी उपयोगी चीज़ों में बहुत किया जाता है। डॉ. निशा ने बताया कि यह सीआरएसयू का पहला रिसर्च प्रोजेक्ट है और इस विश्वविद्यालय के लिए बहुत खुशी की बात है। उन्होंने बताया कि वह देश के बहुत ही अच्छे दर्जे के शोधकर्ताओं एवं वैज्ञानिकों के साथ मिलकर अपने इस शोध कार्य को देश के अव्वल दर्जे के शोध का कार्य बनाने का प्रयास करेंगी।

वैज्ञानिकों के साथ मिलकर अब देश के लिए करेंगी कुछ नया